PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Sunday 30th March 2014, Page: 11
Width: 8.05 cms, Height: 11.99 cms, a4, Ref: pmin.2014-03-30.50.55

नकली दवाओं का धंधा जारी

पूर्वी दिल्ली, (रवि मेहतो): राजधानी में ड्रग्स कंट्रोल विभाग की तमाम कवायदों के बावजूद नकली दवाओं का जानलेवा धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। अभी हाल ही में यमुनापार के पूर्वी जिले स्थित लक्ष्मीनगर इलाके में भारी मात्रा में सिंथेटिक दवाइयों की बरामदगी एक कैमिस्ट की दुकान से होना इस बात का जीता-जागता प्रमाण है कि नकली दवाईयां बेचकर मुनाफा कमाने वालों का आम लोगों की जान से कोई सरोकार नहीं है। आलम यह है कि बीते 5 वर्षों के दौरान नकली दवाओं के सामने आए ढाई हजार मामलों में 2400 से भी ज्यादा दवा विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द किए जाने से भी इस गोरखधंधे में ऐसे लोगों पर कोई खास असर पड़ता दिखाई नहीं दे रहा है। दूसरे कई राज्यों से राजधानी दिल्ली में भी नकली दवाओं का कारोबार फैलता ही जा रहा है। बताया जाता है कि बीते वर्षों के दौरान 122 से भी ज्यादा दवाओं के सैंपल जांच के दौरान मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। मौजूदा हालातों पर गौर करें तो पिछले कई वर्षों से राजधानी में चला आ रहा नकली दवाओं का गैरकानूनी धंधा आज भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। हैरत तो यह है कि कई मामले ऐसे भी हैं जिनमें सरकार अस्पतालों से लिए गए सैंपल भी जांच के दौरान सिंथेटिक पाए गए हैं। प्रतिस्पर्धा के इस युग में विभिन्न कंपनियां अलग-अलग ब्रांडों की नकली दवाइयां बनाकर सस्ते दामों में मार्किट में खपा रही हैं। ऐसी नकली दवाओं के सेवन में इलाज के बाद मरीजों का हाल और भी बेहाल हो जाता है। जीवनरक्षक दवाईयां ही नकली मिलें तो स्वास्थ्य पर इसका कितना असर पड़ेगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।